PC-9546/DL

Z-4/2120

आधुनिक हिन्दी काव्य

Paper – IV (ii)

(Semester-I)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : Credit - 4

नोट : यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। प्रश्न-पत्र के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग-I

निम्नलिखित किन्हीं **चार** दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

I. भारतेन्दु युगीन भक्ति भावना की कविता की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारतेन्दु युगीन कविता की उपलब्धियों की चर्चा कीजिए।

II. "द्विवेदी युगीन कविता ओज, असलियत और सादगी से ओतप्रोत है" - विचार कीजिए।

अथवा

द्विवेदी युग की कविता की प्रमुख भाव एवं विचारगत उपलब्धियाँ बताइए।

III. छायावादी कविता के राष्ट्रीय स्वरों को रेखांकित कीजिए।

अथवा

प्रगतिवादी काव्य से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट करते हुए प्रगतिवादी काव्य की उपलब्धियाँ बताइए।

IV. प्रयोगवाद की भाषिक उपलब्धियों की चर्चा कीजिए।

अथवा

समकालीन कविता की भावगत प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(0.75×4=3 Credit)

भाग-II

V. निम्नलिखित सभी **आठ** लघु प्रश्न अनिवार्य हैं :

(i) भारतेन्दु युग की हास्य व्यंग्य प्रधान कविता का मूल्यांकन कीजिए।

(ii) छायावादी कविता की भाषिक विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

(iii) द्विवेदी युग की उपलब्धियों में भाषा-परिवर्तन पर विचार कीजिए।

(iv) प्रगतिवादी काव्य की वैचारिक उपलब्धियों की चर्चा कीजिए।

(v) समकालीन कविता की भाषागत विशेषताएँ बताइए।

(vi) 'प्रयोगवाद' में 'प्रयोग' से क्या अभिप्राय है?

(vii) छायावाद की उपलब्धियाँ बताइए।

(viii) भारतेन्दु युगीन कविता की भाषा-शिलागत उपलब्धियाँ बताइए।

(1 Credit)

———————————